अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : तृतीय - जैन धर्म प्रथमा (परीक्षा 16 जुलाई, 2017)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से कम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) ''इच्छामि ठामि काउस्सग्गं'' पद का कायोत्सर्ग में उच्चारण किया जाता है -

(क) इच्छामि ठामि काउस्सग्गं (ख) इच्छामि ठामि आलोउं

(ग) इच्छामि आलोउं (घ) इच्छामि पडिक्कमिउं ( )

(b) जिस कर्म के उदय से जीव गति, जाति आदि प्राप्त करता है, वह कर्म है -

(क) नाम कर्म (ख) गोत्र कर्म

(ग)वेदनीय कर्म (घ) अंतराय कर्म ( )

(c) मिथ्यादृष्टि से विशेष भाषण न करना कहलाता है -

(क) आलाप (ख) संलाप

(ग) पर-पाखण्डी प्रशंसा (घ) पर पाखण्डी संस्तव ( )

(d) भगवान ऋषभदेव को प्रथम पारणा कराया -

(क) श्रेयांस ने (ख) शंख राजा ने

(ग) जिनदास सेठ ने (घ) भरत चक्रवर्ती ने ( )

(e) भगवान ऋषभदेव की कुल संताने थीं -

(क) 100 (ख) 98

(ग) 102 (घ) 99 ( )

(f) अपने धर्म और साधर्मियों से प्रेम करना कहलाता है-

(क) उपबृंहा (ख) वात्सल्य

(ग) प्रभावना (घ) निर्विचिकित्सा ( )

(g) आचार्य के प्रति हुई आशातना की क्षमायाचना करने का पाठ है-

(क) तिक्खुत्तो (ख) मत्थएण वंदामि

(ग) इच्छामि खमासमणो (घ) संलेखना ( )

(h) जीवास्तिकाय का गुण है -

(क) उपयोग गुण (ख) वर्तन गुण

(ग) चलन गुण (घ) विध्वंसन गुण ( )

(I) ''करूँ नहीं-अनुमोदूँ नहीं मनसा'' यह भंग किस नम्बर का है -

(क) 25 वाँ (ख) 38 वाँ

(ग) 42 वाँ (घ) 36 वाँ ( )

(j) आत्म-शुद्धि का पाठ है -

(क) इच्छाकारेणं (ख) तस्स उत्तरी

(ग) लोगस्स (घ) करेमिभंते ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) जो कृषि और पशुपालन आदि में निपुण थे, वे वैश्य कहलाये। ( )

(b) निर्जरा शरीर को शुद्ध करने की आध्यात्मिक क्रिया है। ( )

(c) सूत्र के पाठ का शुद्ध उच्चारण करना व्यंजनाचार है। ( )

(d) दुष्ट आचरण का चिंतन करना आर्त्तध्यान है। ( )

(e) मोक्ष की तीव्र इच्छा करना निर्वेद है। ( )

(f) चारित्र के 75 अतिचार होते हैं। ( )

(g) ''अधिकरण जोड़ रखा हो'' दसवें व्रत का अतिचार है। ( )

(h) ''नमंसामि'' बोलते हुए पंचांग झुकाकर वंदना करनी चाहिए। ( )

(i) सामायिक एक प्रकार का आध्यात्मिक व्यायाम है। ( )

(j) धर्मास्तिकाय लोकालोक व्यापी है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मेरे दस दण्डक हैं। .....

(b) मेरा दूसरा नाम पुष्पदंत भी है। .....

(c) मैं प्रथम मंगल हूँ। .....

(d) मैं जानने योग्य हूँ, परन्तु आचरण करने योग्य नहीं। .....

(e) मेरे द्वारा संज्ञी जीवों के मनोगत भावों को जाना जाता है। .....

(f) मै एक ऐसी आत्म विकास की सीढी हूँ, जिसे प्राप्त करने वाले ही तीर्थंकर बनकर चतुर्विध संघ की स्थापना करते हैं। .....

(g) मेरा उदय न होना सम है। .....

(h) मुझे मेरे पिता ने गणित विद्या का ज्ञान दिया। .....

(i) मुझसे जीव उच्च गोत्र कर्म बाँधता है। .....

(j) मैं एक ऐसा प्रदूषण हूँ, जिसके द्वारा सुनने की शक्ति निरंतर कम होती जाती है। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **24 दण्डकों में से तिर्यंच के कौन-कौन से दण्डक हैं ?**

.....

.....

(b) **शुद्धि किसे कहते हैं व कितने प्रकार की होती हैं ?**

.....

.....

(c) **11वें व्रत के प्रथम दो अतिचार लिखिए।**

.....

.....

(d) **अंतिम पाँच कर्मादान के नाम लिखिए।**

.....

.....

(e) **उपयोग आत्मा किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(f) **ध्यान को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

(g) **भरत चक्रवर्ती, बाहुबली, ब्राह्मी व सुन्दरी की माताओं के नाम लिखिए।**

.....

.....

(h) **प्रतिसंलीनता क्या है ?**

.....

.....

(i) **मध्यम वंदना कब करनी चाहिए ?**

.....

.....

(j) **जैन धर्म में ऐसे कौन-कौन से व्रत हैं जो पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त कर सकते हैं ?**

.....

.....

(k) **राजा राणा ..... अपनी बार। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(l) **पूजा निंदा ..... क्या कहना। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(m) **आचार्य ..... नमस्कार। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(n) **परमत्थ ..... सद्दहणा। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **छट्ठे व्रत के अतिचार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) **श्वासोच्छ्वास बल प्राण किसे कहते हैं ?**

.....

.....

.....

.....

(c) **अमूढ़ दृष्टि, उपबृंहा व उपधानाचार का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **वीर्याचार को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **''पर्यावरण प्रदूषण में जीवास्तिकाय की भूमिका विशेष है'' कैसे ?**

.....

.....

.....

.....

(f) **भावना को परिभाषित कर भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **भगवान ऋषभदेव के पंचकल्याणक कब-कब हुए ?**

.....

.....

.....

.....

(h) **वादी प्रभावक व विद्यावान प्रभावक को समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **परिहार विशुद्धि चारित्र की साधना किस प्रकार होती है ? संक्षिप्त में लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **निवृत्ति बादर गुणस्थान को समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **ज्ञान दीप ..... निर्जरा सार। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **नील लेश्या को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(m) **हीणक्खरं..... न सज्झायं। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(n) **''वायु प्रदूषण को कम करने में पेड़-पौधों की महत्ती भूमिका है।'' समझाइए।**

.....

.....

.....

.....